राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यापित
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
: 09794299451
☎ : 0551-2105416
Web.: www.mpm.edu.in
e-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक .... प्रकाशनार्थ दिनांक 20/12/16

गोरखपुर। वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में हम लोग नकद व्यवहार के आदी हो चुके हैं। सभी ट्रांजैक्शन नकद के रूप में ही करना चाहते है, ए.टी.एम., बैंक, पोस्ट आफिस के सामने घंटो खड़े हो कर पैसे निकाल रहे हैं। सभी जगह लोगों की भीड़ है। ऐसे में कैशलेस ट्रांजैक्शन विधि अपनाने से इन समस्याओं से निजात पाया जा सकता है। पे.टी.एम., डेबिट कार्ड, नेट बैंकिग, मोबाईल बैंकिग, फ्रीचार्ज, ई-वालेट आदि के उपयोग से न केवल कैश की कमी की समस्या से निपटा जा सकता है, वरन् भ्रष्टाचार, उग्रवाद तथा आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई में भी सरकार का सहयोग किया जा सकता है।

उपरोक्त बातें भारतीय प्रतिभूति और बिनिमय बोर्ड (सेबी) व वाणिज्य विभाग, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान देते हुए सेबी के प्रमाणिक प्रशिक्षक डा० शैलेश कुमार द्विवेदी ने कहीं। 'वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता' विषय पर अपने व्याख्यान में डा० शैलेश कुमार द्विवेदी ने कैशलेस ट्रांजैक्शन डिजिटल इण्डिया, बचत, बिनियोग, डी.मैट से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को दी। उन्होंने एक छात्र के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि सेबी द्वारा संचालित नेशनल इन्स्टीट्यूट आफ सेक्योरिटि मार्केट में कई सर्टिफिकेट कोर्स चलाए जाते है। इस कोर्स को करने केबाद छात्र आसानी से स्टाक एक्सचेंज व स्टाक मार्केट में रोजगार पा सकता है तथा स्वरोजगार के अनेक अवसर प्राप्त कर सकते है।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेश शुक्ल ने कहा कि यह डिजिटल इंडिया का युग है। अर्थ जगत कैशलेस व्यवहार की ओर अग्रसर हो रहा है। शिक्षकों-छात्रों की यह चुनौती है कि लोगो को कैशलेस ट्रांजैक्शन के विभिन्न विधियों जैसे डेबिड कार्ड, पेटीएम, ई०-वालेट आदि के प्रयोग के लिए लोगों को प्रशिक्षित करें। यह कार्य हम अपने घर, आस-पड़ोस, मित्रों से आरम्भ कर सकते हैं। कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक श्री नन्दन शर्मा, श्री सुभाष कुमार गुप्त ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन श्री वागीश राज पाण्डेय तथा आभार सुश्री प्रगति पाण्डेय ने किया कार्यक्रम में सुश्री श्वेता चौबे, सिद्धार्थ शुक्ल, आदर्श कुमार सिंह, प्रगति मिश्रा, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, रजत श्रीवास्तव सहित कुल 102 छात्र-छात्राओं ने कार्यशाला में प्रतिभाग किया

डा० राजेश शुक्ल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी